**पुणा International School**

**Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal**

**Std-VII Subject-Hindi**

**PERIODIC ASSESSMENT- 3(2021-22)**

**(अपठित-विभाग)**

**प्र-१ अपठित गदयांश और पदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती है, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ' कहने का रिवाज है। और यह केवल रिवाज की ही बात नहीं है, हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना के आँसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है, यहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है। हमारी भाषाएँ जितनी ही तेजी से जगेंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचे और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण का आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच आप-से-आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक है. है तथा कौन सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

**प्रश्न-**

(क) लेखक ने आधुनिक संगम-स्थल किसको माना है और क्यों?
(ख) भाषा संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है?
(ग) दो नदियों का मिलन किसका प्रतीक है?
(घ) अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है?
(ड) उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
(च) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है और क्यों?

**उत्तर-**

(क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल उन सभाओं व मंचों को माना है, जहाँ पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्रितहोती है। ये भा पाएँ विभिन्न जनपदों में बसने वाली जानता की भावनाएँ लेकर आती हैं।

(ख) किसी भी भाषा के भीतर उस भाषा को बोलने वाली जनता के आँसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। फलतः जहाँ भाषाओं का संगम होता है. वहाँ विभिन्न भाषा-भाषी लोगों के भावों और विचारों का संगम होता है।

(ग) नदियाँ अपनी धाराओं के साथ मार्ग में आने वाले जनपदों के हर्ष एवं विषाद की कहानी लेकर बहती हैं। अत: उनका मिलन विभिन्न जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है।

(घ) भाषाएँ ही लाखों वर्षों तक ज्ञान-विज्ञान को सुरक्षित रखती हैं तथा ज्ञान का प्रचार-प्रसार करती हैं। अत हम कह सकते हैं कि अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान तभी बढ़ सकता है, जब भारतीय भाषाएँ जागेंगी।

(ड) भाषा संगम – भारत के नए तीर्थ

(च) लेखक ने भाषाओं के संगम में गोता लगाने वाले श्रद्धालुओं को सबसे बड़ा सिपाही और संत कहा है। उसका मानना है किबभाषाओं का संगम, विभिन्न भाषा-भाषियों के भावों और विचारों का संगम होता है। वहीं विभिन्नता में छिपी एकता मूर्त रूप लेती है और दर्शन करने वाला कोई देशभक्त सिपाही हो सकता है या संत।

2) पुस्तकें सच्ची मित्र होती हैं. अब तक मैं यही समझता था. परंतु उस दिन मेरी यह धारणा भी टूट गई. मैंने एक ऐसी पुस्तक पढ़ी जिसमें घृणा और द्वेष भरा हुआ था. लेखक महोदय किसी विशेष विचारधारा से बंधे हुए जान पड़ते थे, जैसे जंजीरों में झगड़ा हुआ कैदी दांत पीस पीस कर हर अपने जाने वाले को गाली ही देता है उसी प्रकार लेखक महोदय को अपने समाज में सारे लोग शोषक जान पड़ते थे. लेखक को यदि कोई कार में सवारी करता सोचा, वह नफरत के योग्य लगा, जो मंदिर में जाता हुआ मिला वह मूर्ख लगा, जो संस्कारों की बातें करता, वह ढोंगी जान पड़ा. जो संस्कृति और मर्यादा की बात करता , वह शोषक प्रतीत हुआ. उसकी नजरों में सच्चा इंसान वही है जो व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाए. चाहे व्यवस्था उसे सभी सुविधाएं दे रही हो फिर भी उसमें कमियां निकाले. अपने मालिक को, रोजगार देने वालों को अत्याचारी समझे. उसके विरुद्ध समय-समय पर संघर्ष की आवाज उठाता रहे, हड़ताल और तालाबंदी करता रहे, नारे लगाता रहे, झंडा उठाता रहे. ऐसा लगता है कि लेखक के जीवन का लक्ष्य भी मात्र यही था – निरंतर संघर्ष. सच कहूं तो ऐसी पुस्तक पढ़कर मैं शांत नहीं रह पाया. मेरे मन में खलबली मच गई और अशांति की प्राप्ति हुई.

1. अपठित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए.
2. पुस्तकों के बारे में पाठक की धारणा क्यों टूट गई?
3. लेखक के जीवन का लक्ष्य क्या मालूम पड़ता था?
4. पुस्तक पढ़कर पाठक के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?
5. लेखक की नजरों में सच्चा इंसान कौन है?

**उत्तर –**

1. अपठित गद्यांश का शीर्षक – मन की कुंठा
2. पुस्तकों के बारे में पाठक की धारणा इसलिए टूटी क्योंकि उसने घृणा, द्वेष और अशांति के विचारों से भरपूर पुस्तक का अध्ययन कर लिया था.
3. लेखक के जीवन का लक्ष्य था – निरंतर संघर्ष
4. पुस्तक पढ़कर लेखक का हृदय हलचल और अशांति से भर गया
5. लेखक की नजरों में सच्चा इंसान है जो व्यवस्था के विरुद्ध लगातार लड़ता रहे.

3) यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम-से-कम मत बोओ!
है अगम चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन
ममता की शीतल छाया में होता। कटुता का स्वयं शमन।
ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मूंदे नयन।
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन।
संकट में यदि मुसका न सको, भय से कातर हो मत रोओ।
यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम-से-कम मत बोओ।

1) 'फूल बोने' और 'काँटे बोने' का प्रतीकार्थ क्या है? 1
2) मन किन स्थितियों में अशांत होता है और कैसी स्थितियाँ उसे शांत कर देती हैं?

3) संकट आ पड़ने पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए। और क्यों?
4) मन में कटुता कैसे आती है और वह कैसे दूर हो जाती है?
5) काव्यांश से दो मुहावरे चुनकर वाक्य-प्रयोग कीजिए।

**1)** इनका अर्थ है-अच्छे कार्य करना व बुरे कर्म करना।
**2)** मन में विरोध की भावना के उदय के कारण अशांति का उदय होता है।माता की शीतल छाया उसे शांत कर देती है।
**3)** संकट आ पड़ने पर मनुष्य को भयभीत नहीं होना चाहिए। उसे मन को मजबूत करना चाहिए। उसे मुस्कराना चाहिए।
**4)** मन में कटुता तब आती है जब उसे सफलता नहीं मिलती। वह भटकता रहता है। स्नेह से यह दूर हो जाता है।
**5)** काँटे बोना-हमें दूसरों के लिए काँटे नहीं बोने चाहिए। घुल जाना-विदेश में गए पुत्र की खोज खबर न मिलने से विक्रम घुल गया है।

## व्याकरण– विभाग

### ➢ वाक्य

किसी भी वाक्य को लिखने में प्रयुक्त वर्णों के क्रम को वर्तनी या अक्षरी कहते हैं।
वाक्य भाषा की महत्वपूर्ण इकाई होता है लिखने या बोलने के समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे द्वारा जो कुछ लिखा या कहा जाए, वह बिल्कुल स्पष्ट सार्थक और व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध हो।

| **अशुद्ध वाक्य** | **शुद्ध वाक्य** |
|---|---|
| हिन्दी के प्रचार में आज-भी बड़े-बड़े संकट हैं। | हिन्दी के प्रचार में आज-भी बड़े-बड़े संकट हैं। |
| सीता ने गीत की दो-चार लड़ियाँ गायीं। | सीता ने गीत की दो-चार कड़ियाँ गायीं। |
| पतिव्रता नारी को छूने का उत्साह कौन करेगा। | पतिव्रता नारी को छूने का साहस कौन करेगा। |
| कृषि हमारी व्यवस्था की रीढ़ है। | कृषि हमारी व्यवस्था का आधार है। |
| प्रेम करना तलवार की नोक पर चलना है। | प्रेम करना तलवार की धार पर चलना है। |
| मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आऊँगा। | मैं रविवार को तुम्हारे घर आऊँगा। |
| कुत्ता रेंकता है। | कुत्ता भौंकता है। |

| | |
|---|---|
| मुझे सफल होने की निराशा है। | मुझे सफल होने की आशा नहीं है। |

## ➢ कारक

1. 'राम अयोध्या से वन को गए। इस वाक्य में 'से' किस कारक का बोधक है?
   (a) करण (b) कर्ता (c) अपादान
   उत्तर : (c) अपादान
2. 'मछली पानी में रहती है' इस वाक्य में किस कारक का चिह्न प्रयुक्त हुआ है?
   (a) संबंध (b) कर्म (c) अधिकरण
   उत्तर : (c) अधिकरण
3. 'राधा कृष्ण की प्रेमिका थी' इस वाक्य में की' चिह्न किस कारक की ओर संकेत करता है?
   (a) करण (b) संबंध (c) कर्ता
   उत्तर : (b) संबंध
4. 'गरीबों को दान दो' 'गरीब' किस कारक का उदाहरण है?
   (a) कर्म (b) करण (c) सम्प्रदान
   उत्तर : (c) सम्प्रदान
5. 'बालक छुरी से खेलता है' छुरी किस कारक की ओर संकेत करता है?
   (a) करण (b) अपादान (c) सम्प्रदान
   उत्तर : (a) करण
6. सम्प्रदान कारक का चिह्न किस वाक्य में प्रयुक्त हुआ है?
   (a) वह फूलों को बेचता है।
   (b) उसने ब्राह्मण को बहुत सताया था।
   (c) प्यासे को पानी देना चाहिए।
   उत्तर : (c) प्यासे को पानी देना चाहिए।
7. इन वाक्यों में से किसमें करण कारक का चिह्न प्रयुक्त हुआ है?
   (a) लड़की घर से निकलने लगी है
   (b) बच्चे पेंसिल से लिखते हैं
   (c) पहाड़ से नदियों निकली हैं
   उत्तर : (b) बच्चे पेंसिल से लिखते हैं
8. किस वाक्य में कर्म–कारक का चिह्न आया है?
   (a) मोहन को खाने दो
   (b) पिता ने पुत्र को बुलाया
   (c) सेठ ने नंगों को वस्त्र दिए
   उत्तर : (b) पिता ने पुत्र को बुलाया
9. अपादान कारक किस वाक्य में आया है?
   (a) हिमालय पहाड़ सबसे ऊँचा है (b) वह जाति से है
   (c) लड़का छत से कूद पड़ा था
   उत्तर : (c) लड़का छत से कूद पड़ा था
10. इनमें से किस वाक्य में 'से' चिह्न कर्ता के साथ है?
    (a) वह पानी से खेलता है (b) मुझसे चला नहीं जाता
    (c) पेड़ से पत्ते गिरते हैं
    उत्तर : (b) मुझसे चला नहीं जाता

11. संज्ञा या सर्वनाम को क्रिया से जोड़ने वाले चिह्न कहलाते हैं
(i) संज्ञा (ii) सर्वनाम
(iii) क्रिया (iv) कारक
12. कारक के भेद हैं
(i) चार (ii) पाँच
(iii) सात (iv) आठ
13. कारक चिह्न को कहा जाता है?
(i) रूप चिह्न (ii) संसर्ग चिह्न
(iii) पद चिह्न (iv) विभक्ति चिह्न
14. 'संबोधन कारक' के रूप में किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(i) | (ii) !
(iii) ; (iv) ?
15. 'का' के, की चिह्न है?
(i) संबंध कारक (ii) अपादान कारक
(iii) अधिकरण कारक (iv) संबोधन कारक

उत्तर-
1. (iv)
2. (iv)
3. (iv)
4. (ii)
5. (i)

## ➢ विराम चिन्ह वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

1. नीचे लिखे वाक्यों में से किसमें विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?
(a) हाँ, मैं सच कहता हूँ बाबूजी। माँ बीमार है। इसलिए मैं नहीं गया।
(b) हाँ मैं सच कहता हूँ। बाबूजी, माँ बीमार है। इसलिए मैं नहीं गया।
(c) हाँ, मैं सच कहता हूँ, बाबू जी, माँ बीमार है, इसलिए मैं नहीं गया।
(d) हाँ, मैं सच कहता हूँ, बाबू जी। माँ बीमार है इसलिए मैं नहीं गया।

**उत्तर :**
(c) हाँ, मैं सच कहता हूँ, बाबू जी, माँ बीमार है, इसलिए मैं नहीं गया।

2. विरामादि चिह्नों की दृष्टि से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?
(a) पिता ने पुत्र से कहा-देर हो रही है, कब आओगे
(b) पिता ने पुत्र से कहा-देर हो रही है, कब आओगे?
(c) पिता ने पुत्र से कहा-"देर हो रही है, कब आओगे?"
(d) पिता ने पुत्र से कहा, "देर हो रही है कब आओगे।

**उत्तर :**
(c) पिता ने पुत्र से कहा-"देर हो रही है, कब आओगे?"

3. जहाँ वाक्य की गति अन्तिम रूप ले ले, विचार के तार एकदम टूट जाएँ, वहाँ किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) योजक (b) उद्धरण चिह्न
(c) अल्प विराम (d) पूर्ण विराम

**उत्तर :**
(d) पूर्ण विराम

4. किस वाक्य में विरामादि चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?
(a) आप मुझे नहीं जानते! महीने में मैं दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ।
(b) आप, मुझे नहीं जानते? महीने में मैं, दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ
(c) आप मुझे, नहीं जानते, महीने में मैं! दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ
(d) आप मुझे नहीं, जानते; महीने में मैं दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ?

**उत्तर :**

(a) आप मुझे नहीं जानते! महीने में मैं दो दिन ही व्यस्त रहता हूँ।

5. किस वाक्य में विरामादि चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?
(a) मैं मनुष्य में, मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।
(b) मैं मनुष्य में मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की, मेरी इच्छा नहीं।
(c) मैं मनुष्य में मानवता, देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।
(d) मैं, मनुष्य में मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।

**उत्तर :**

(b) मैं मनुष्य में मानवता देखना चाहता हूँ। उसे देवता बनाने की, मेरी इच्छा नहीं।

6. पूर्ण विराम के स्थान पर एक अन्य चिह्न भी प्रचलित है, वह है-
(a) अल्प विराम (b) योजक चिह्न
(c) फुलस्टॉप (d) विवरण चिह्न

**उत्तर :**

(c) फुलस्टॉप

7. जब से हिन्दी में अन्तर्राष्ट्रीय अंकों 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0 का प्रयोग आरम्भ हुआ, तब से ।' के स्थान पर किसका प्रयोग होने लगा है?
(a) अर्द्ध विराम (b) अल्प विराम
(c) विस्मयादिबोधक (d) फुलस्टॉप

**उत्तर :**

(d) फुलस्टॉप

8. प्रश्नवाचक तथा विस्मयादिबोधक को छोड़कर सभी वाक्यों के अन्त में प्रयुक्त होता है-
(a) पूर्ण विराम (b) अर्द्ध विराम
(c) उद्धरण चिह्न (d) विवरण चिह्न

उत्तर : (a) पूर्ण विराम

9. किस वाक्य में विराम-चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है?
(a) राम, मोहन, घर, पर्वत; संज्ञाएँ। यह, वह, तुम, मैं; सर्वनाम। लिखना, गाना, दौड़ना; क्रियाएँ।
(b) राम, मोहन, घर, पर्वत संज्ञाएँ; यह, वह, तुम, मैं सर्वनाम; लिखना, गाना, दौड़ना क्रियाएँ
(c) राम-मोहन, घर-पर्वत संज्ञाएँ! यह-वह-तुम-मैं सर्वनाम! लिखना-गानदौड़ना संज्ञाएँ।
(d) राम मोहन घर पर्वत संज्ञाएँ। यह वह तुम मैं सर्वनाम। लिखना, गाना, दौड़ना क्रियाएँ।

**उत्तर :**

(a) राम, मोहन, घर, पर्वत; संज्ञाएँ। यह, वह, तुम, मैं; सर्वनाम। लिखना, गाना, दौड़ना; क्रियाएँ।

10. जहाँ पूर्ण विराम की अपेक्षा कम रुकना अपेक्षित हो, वहाँ ..... चिह्न · का प्रयोग किया जाता है।
(a) अर्द्ध विराम (b) अल्प विराम
(c) संक्षेप चिह्न (d) कोष्ठक

**उत्तर :**

(a) अर्द्ध विराम

## (साहित्य–विभाग)

**1- जीवन में मित्रों की अधिकता कब होती है?**
उत्तर- जब जीवन में काफ़ी धन-दौलत, मान-सम्मान बढ़ जाता है तो मित्रों और शुभचिंतकों की संख्या बढ़ जाती है।
**2- 'जल को मछलियों से कोई प्रेम नहीं होता' इसका क्या प्रमाण है?**
उत्तर- जल को मछलियों से कोई प्रेम नहीं होता। इसका यह प्रमाण है कि मछलियों के जाल में फँसते ही जल उन्हें अकेला छोड़कर आगे बह जाता है।
**3- सज्जन और विद्वान के संपत्ति संचय का क्या उद्देश्य होता है?**
उत्तर- सज्जन और विद्वान संपत्ति का अर्जन दूसरों की भलाई के लिए करते हैं। उनका धन हमेशा दूसरों की भलाई में खर्च होता है।
**4- रहीम ने क्वार मास के बादलों को कैसा बताया है?**
उत्तर- रहीम ने क्वार महीने के बादलों को थोथा यानी बेकार गरजने वाला बताया है।
**5- कवि छत की मुंडेर पर किस भाव में खड़ा था?**
उत्तर- कवि छत की मुंडेर पर घमंड से भरे हुए भाव में खड़ा था।
**6- कवि की बेचैनी का क्या कारण था?**
उत्तर- कवि की आँख में तिनका गिर जाने के कारण वह बेचैन हो गया और उसकी आँख लाल हो गई व दुखने लगी।
**7- आस-पास के लोगों ने क्या उपहास किया?**
उत्तर- आस-पास के लोग कपड़े की नोंक से कवि की आँख में पड़ा तिनका निकालने का प्रयास करने लगे।
**8- अप्पू को कंचे का आकार कैसा लग रहा था?**
उत्तर – अप्पू को कंचे का आकार आँवले जैसा लग रहा था।
**9- अप्पू का सारा ध्यान कौन सी कहानी पर केंद्रित था?**
उत्तर – अप्पू का सारा ध्यान "कौए और सियार" की कहानी पर केंद्रित था।
**10- अप्पू को उसके पिता ने पैसे क्यों दिए थे?**
उत्तर - अप्पू को उसके पिता ने पैसे स्कूल की फ़ीस के लिए दिए थे।
**11- क्या सुनकर अप्पू कंचे बिना लिए स्कूल की तरफ दौड़ पड़ा?**
उत्तर – स्कूल की घंटी सुनकर अप्पू कंचे बिना लिए स्कूल की तरफ दौड़ पड़ा।
**12- कंचे कैसे थे?**
उत्तर - सफ़ेद गोल कंचे थे। उसमें हरी लकीरें थी। वह बड़े आँवले के जैसे थे और बहुत खूबसूरत थे।

## बाल- महाभारत

**1- राजकुमार उत्तर ने बृहन्नला से क्या कहा?**
उत्तर- राजकुमार उत्तर ने बृहन्नला से कहा"बृहन्नला, मुझे बचाओ इस संकट से" मैं तुम्हारा बड़ा उपकार मानूँगा ।"
**2- शंख की ध्वनि को सुनकर द्रोण ने क्या शंका व्यक्त की?**
उत्तर- द्रोण ने कहा- "मालूम होता है, यह तो अर्जुन ही आया है।"
**3- दुर्योधन ने पितामह भीष्म को संधि के संबंध में क्या कहा?**
उत्तर- दुर्योधन ने कहापूज्य पितामह," मैं संधि नहीं चाहता हूँ। राज्य तो दूर रहा, मैं तो एक गाँव तक पांडवों को देने के लिए तैयार नहीं हूँ ।"
**4- भीष्म ने युधिष्ठिर के संधि प्रस्ताव को सुनकर क्या सलाह दी?**

उत्तर - भीष्म ने सलाह दी कि पांडवों को उनका राज्य वापस देना ही न्यायोचित होगा।

**5- "कर्ण"मूर्खता की बातें न करो। हम सबको एक साथ मिलकर अर्जुन का मुकाबला करना होगा।**

उत्तर- कृपाचार्य ने कर्ण से कहा ।

**6- राजकुमार उत्तर को अर्जुन से कंक के बारे में क्या मालूम हो चुका था?**

उत्तर- राजकुमार उत्तर को अर्जुन से मालूम हो चुका था कि कंक तो असल में युधिष्ठिर हैं।

**7- राजकुमार उत्तर के बारे में राजा विराट को क्या भ्रम हुआ?**

उत्तर- राजकुमार उत्तर के बारे में राजा विराट को भ्रम हुआ कि विख्यात कौरव-वीरों को उनके बेटे ने अकेले ही लड़कर जीत लिया|

**8- कंक के मुख से खून बहता देखकर राजकुमार उत्तर क्यों चकित रह गया?**

उत्तर- कंक के मुख से खून बहता देखकर राजकुमार उत्तर चकित रह गया क्योंकि उसे अर्जुन से मालूम हो चुका था कि कंक तो असल में युधिष्ठिर ही हैं।

## ➢ लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

**1- तिनके से कवि की क्या हालत हो गई?**

उत्तर- एक तिनके ने कवि को बेचैन कर दिया था। वह तड़प उठा। थोड़ी देर में उसकी आँखें लाल हो गईं और दुखने लगीं। कवि की सारी ऐंठ और अहंकार गायब हो गया।

**2- तिनकेवाली घटना से कवि को क्या प्रेरणा मिली?**

उत्तर- तिनकेवाली घटना से कवि समझ गया कि मनुष्य को कभी घमंड नहीं करना चाहिए। एक तिनके ने हमें बेचैन कर दिया। और हमारी औकात बता दिया,उन्हें यह बात भी समझ में आ गई कि उन्हें परेशान करने के लिए एक तिनका ही काफ़ी है। अतः उसे किसी बात पर घमंड नहीं करना चाहिए।

**3- रहीम ने क़ार के बादलों की तुलना किससे और क्यों की है?**

उत्तर- रहीम ने क़ार के बादलों की तुलना उन लोगों से की है जो अमीरी से निर्धन हो चुके हैं। निर्धन लोग जब उन दिनों की बात करते हैं, जब वे धनी तथा सुखी थी, तो उनकी बातें पूर्णतः क़ार के बादलों की खोखली गरज जैसी होती है। क़ार बादल गरजते भर हैं, कभी बरसते नहीं, उसी प्रकार धनी लोग निर्धन होकर अपनी अमीरी की बातें करते हैं।

**4- वृक्ष और सरोवर किस प्रकार दूसरों की भलाई करते हैं?**

उत्तर- वृक्ष और सरोवर अपने द्वारा संचित वस्तु का स्वयं उपयोग नहीं करते हैं, यानी वृक्ष असंख्य फल उत्पन्न करता है लेकिन वह स्वयं उसका उपयोग नहीं करता। वह फल दूसरों के लिए देते हैं। ठीक इसी प्रकार सरोवर भी अपना जल स्वयं न पीकर उसे समाज की भलाई के लिए संचित करता है।

**5- कंचे देखकर अप्पू का मन कक्षा में क्यों नहीं लग रहा था?**

उत्तर- अप्पू ने जब विद्यालय जाने के समय एक दुकानदार के पास जार में कंचे देख लिए तो उसका दिल और दिमाग कंचों में ही खो गया। वह उसे खरीदने की तरकीब खोजने लगा। उसका ध्यान कक्षा में नहीं था। वह तो कंचों की दुनिया में खोया रहता था। वह सोचता है कि जॉर्ज के आते ही वह कंचे खरीदने जाएगा और उसके साथ खेलेगा।

**6- कंचे खरीदने में अप्पू किसकी मदद लेना चाहता है और क्यों?**

उत्तर- कंचा खरीदने में अप्पू जॉर्ज की मदद लेना चाहता है। जॉर्ज कंचों के खेल का सबसे अच्छा खिलाड़ी माना जाता है। उसे कोई हरा नहीं पाता। जॉर्ज हारे हुए खिलाड़ी की बंद मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी को तोड़ देता है।

**7- अप्पू के कंचे सड़क पर कैसे बिखर गए?**

उत्तर- दुकानदार ने कागज की पोटली में बाँधकर कंचे उसे दे दिए। जब वह पोटली छाती से लगाए जा रहा था तो उसने देखना चाहा कि क्या सभी कंचों पर लकीरें हैं। बस्ता नीचे रखकर जैसे ही उसने पोटली खोली तो सारे कंचे सड़क पर बिखर गए।

**8- पाठ में बार - बार अप्पू जॉर्ज की ही बातें क्यों कर रहा था?**

उत्तर - जॉर्ज अप्पू का सहपाठी था। जॉर्ज सभी बच्चों में कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी था। जॉर्ज से बड़े – बड़े लड़के भी हार जाते थे। अप्पू पर भी कंचों का जादू छाया हुआ था। यही कारण था की पाठ में बार - बार अप्पू जॉर्ज की ही बातें कर रहा था।

**9- रहीम मनुष्य को धरती से क्या सीख देना चाहता है?**

उत्तर- रहीम मनुष्य को धरती से सीख देना चाहता है कि जैसे धरती सरदी, गरमी व बरसात सभी ऋतुओं को समान रूप से सहती है, वैसे ही मनुष्य को भी अपने जीवन में सुख-दुख को सहने की क्षमता होनी चाहिए।

## लेखन -विभाग

### ➢ अनुच्छेद

**1) दशहरा पर अनुच्छेद**

भारत के चार सबसे बड़े त्यौहारों में से एक त्यौहार दशहरा है । हिन्दू यह त्यौहार लका के राक्षस राजा रावण पर श्रीरामचन्द्र की विजय के उपलक्ष में मनाते हैं । यह आषाढ़ मास के द्वितीय पक्ष की दसवीं तिथि को पड़ता है । यह त्यौहार दस दिन तक मनाया जाता है ।कुछ अन्य का मत है कि यह त्यौहार मनाने से लोगों के दरन प्रकार के पाप मिट जाते हैं ।अन्य बहुत-से लोगो का कहना है कि इसका अर्थ है लका के दस सिर वाले राक्षस राजा रावण पर श्रीराम की विजय । बंगाल में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है । साधारणतया इसे श्रीरामचन्द्र जी की लका पर विजय की याद में मनाते हैं ।सारे देश में यह त्यौहार बडे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है । दस दिन तक रामायण की कथा एक ड्रामे के रूप में खेली जाती है, जिसे रामलीला कहते हैं । इसमें श्रीराम के समरस जीवन की झाकियां प्रस्तुत की जाती हैं । सभी बड़े-छोटे शहरों और कस्बों में बडे और खुले मैदान में यह लीला खेली जाती है । आमतौर पर यह मैदान रामलीला मैदान कहलाता है । यह शहर के सभी प्रसिद्ध मार्गों से होकर रामलीला मैदान पर समाप्त होता है ।बच्चे नए-नए रंग-बिरगे कपड़े पहनते है| कहीं-कहीं बहनें अपने भाइयों की मंगलकामना करके उन्हें रोली का तिलक लगाती है । भाई अपनी बहनों को यथाशक्ति धन देते हैं । घर-घर में खाने की अच्छी-अच्छी चीजे बनाई जाती हैं ।दशहरा हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है । इससे भारत के प्राचीन गौरव का पता लगता है । इससे हमें सबक भी मिलता है । यह त्यौहार इस बात को सिद्ध करता है कि बुराई पर सदैव ही अच्छाई की विजय होती है । रामलीला में दिखाए गए दृश्यों से हमें श्रीराम के गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है ।इस त्यौहार में सभी छोटे-बड़े समान रूप से हिस्सा लेते हैं इसलिए हिन्दुओं के विभिन्न वर्गों के बीच एकता कायम होती है । रामायण की चौपाइयो के पाठ से लोगों के मन का धर्म के प्रति लगाव होता है ।प्राचीन काल में दशहरे को एक राष्ट्रीय त्यौहार माना जाता था । आज भी यह किसी-न-किसी रूप में समूचे भारत में मनाया जाता है । बंगालियों के लिए यह वर्ष का सबसे बड़ा त्यौहार होता है । वे बड़े विशाल पैमाने पर दुर्गा-पूजा मनाते है । दशहरे के दिनों में स्कूलों में कई दिन छुट्टी रहती है । इस तरह सभी बड़े-बूढे, बच्चे, पुराष और स्त्रियाँ इस त्यौहार को हर्षोल्लास से मनाते हैं ।

**2) व्यायाम का महत्त्व**

मानव शरीर एक मशीन की तरह है । जिस तरह एक मशीन को काम में न लाने पर वह ठप पड़ जाती है, उसी तरह यदि शमा जा भी उचित संचालन न किया जाए तो उसमें कई तरह के विकार आने लगते हैं । व्यायाम शरीर के संचालन का एक अच्छा तरीका है । यह शरीर को उचित दशा में रखने में मदद करता है । व्यायाम के लिए अनेक प्रकार की विधियाँ काम में लाई जाती है । कुछ लोग दौड़ लगाते हैं तो कुछ दंड-बैठक करते हैं । बच्चे खेल-कूद कर अपना व्यायाम करते हैं । बुजुर्ग सुबह-शाम तेज चाल से टहलकर अपना व्यायाम करते है । साईकिल चलाना, तैरना, बाग-बगीचों में जाकर उछल-कूद करना आदि व्यायाम की अन्य विधियाँ हैं । नवयुवकों में व्यायामशालाओं में जाकर व्यायाम करने की प्रवृति पाई जाती है । व्यायाम चाहे किसी भी प्रकार का हो, इससे

हमें बहुत लाभ होता है । शरीर में ताजगी आती है तथा यह सुगठित बन जाता है । प्रत्येक व्यक्ति को कुछ न कुछ व्यायाम अवश्य करना चाहिए। व्यायाम करने से हमारा रक्त संचार बढ़ जाता है। उससे शरीर पुष्ट बनता है। व्यायाम के पहले हल्की तेल मालिश करने से अधिक लाभ होता है। व्यायाम के एकदम बाद पानी नहीं पीना चाहिये और तुरन्त बाद स्नान भी नहीं करना चाहिये। बन्द कमरे में एवं तंग कपड़ों में व्यायाम नहीं करना चाहिये।स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिषक निवास करता है। अतः जीवन में हर प्रकार की उन्नति के लिये व्यायाम करना जरूरी है।

**3) दीवाली पर अनुच्छेद**

दीवाली भारत का सबसे महत्त्वपूर्ण त्यौहार माना जाता है । दीवाली शब्द दीपावली का अपभ्रश है, जिसका अर्थ दीपों की पंक्ति होता है । यह त्यौहार कार्तिक मारन के मध्य में अर्थात् कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है । इसी समय जाड़े का प्रारम्भ होने लगता है । हिन्दुओं का मत है कि इस दिन रावण पर विजय प्राप्त करके श्रीरामचन्द्र जी अयोध्या पहुंचे थे । अयोध्यावासियो ने अपने घरों को खूब सजाया और दीपो की पंक्ति से जगमगा कर श्रीरामचन्द्र जी का बड़े आदर और सम्मान से स्वागत किया । इसी याद में हर वर्ष लोग दीवाली का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाते हैं । दीवाली की रात लोग अपने-अपने घरों और दुकानो को खूब रोशन करते हैं । साधारण लोग मिट्टी के दीपकों और मोमबत्तियों से तथा बड़े और समृद्ध लोग बिजली के रंगीन बच्चों की झालर से रोशनी करते हैं । तरह-तरह के पटाखे और आतिशबाजी पर बड़ी धनराशि व्यय की जाती है । शाम से ही हर तरफ से पटाखों का शोर सुनाई पड़ने लगता है । सभी लोग नए और अच्छे-अच्छे वस्त्र और परिधान पहने बडी प्रसन्न मुद्रा में दिखाई देते हैं । रात्रि के समय घरों और दुकानो में धन की देवी लक्ष्मी जी का पूजन बड़ी श्रद्धा से किया जाता है । खील-बताशों का इस दिन विशेष महत्त्व होता है । तरह-तरह के पकवान और मिठाइयों का भोग लगाया जाता है और लक्ष्मी जी की आरती उतारी जाती है ।पूजन के बाद घर के लोग प्रसाद के रूप में खील-बताशे तथा मिठाइयाँ खाते हैं । अपने-अपने रिश्तेदारों और मित्रों के घर मिठाई और खील-बताशे भेजे जाते है । दीवाली बड़ा उपयोगी त्यौहार है । दीपावली जैसे त्यौहारों के अवसर पर ही राष्ट्र की सामाजिक और धार्मिक भावना व्यक्त होती हैं ।

## ➢ सूचना

**1) आपके विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।**

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल
सूचना
नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक :24/08/2017

इस विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय करने के इच्छुक हों, वे 03 सितंबर 2017 को अंतिम दो कालांश में स्क्रीन टेस्ट हेतु क्रिया-कलाप कक्ष में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार
छात्र सचिव

**2) आप शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली की छात्रा ख़ुशी मेहरा हैं। विद्यालय में आपका परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है। इस विषय पर सूचना लिखे।**

सूचना
शांति विद्या निकेतन, प्रशांत विहार, दिल्ली
दिनांक - 24/07/2019
परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो जाना

सभी को यह सूचित किया जाता है कि 22/07/2019 को विद्यालय के खेल परिसर में मेरा परीक्षा प्रवेश-पत्र गुम हो गया है। इस पर मेरी फोटो के साथ मेरा अनुक्रमांक 2367528 है। यदि यह किसी को भी मिले तो मुझे लौटाने की कृपा करें।

ख़ुशी मेहरा

कक्षा- 7

## ➢ चित्र वर्णन

**दिए गए चित्रों को देखकर 20-30 शब्दों में उनका वर्णन कीजिए।**

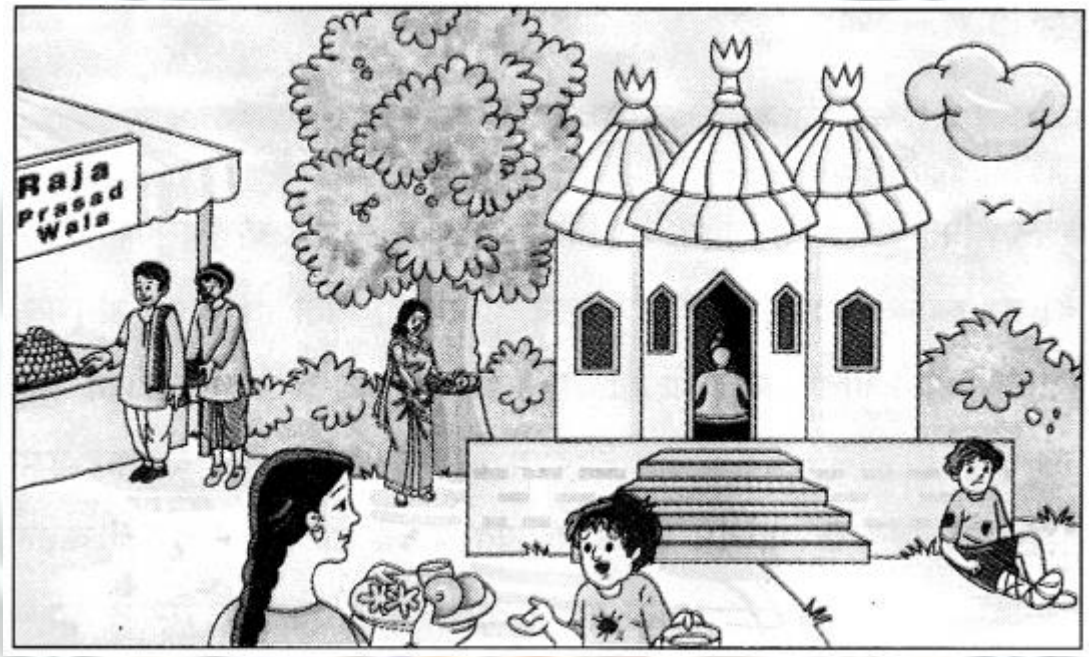


प्रस्तुत चित्र मंदिर का है। मंदिर एक ऐसा स्थान है, जहाँ व्यक्ति श्रद्धाभाव से जाता है और अपने इष्टदेव की पूजा करके मानसिक शांति पाता है। अतः प्रातः काल सभी लोग मंदिर जाते हैं। इस चित्र में एक महिला हाथ में पूजा की थाली लिए मंदिर जा रही है। हिंदू धर्म में वृक्ष की पूजा का विधान है इसलिए प्रत्येक मंदिर के बाहर पीपल या केला का पेड़ एवं तुलसी का पौधा होता है। इस चित्र में भी एक वृक्ष है जिसके सामने खड़े होकर एक महिला पूजा कर रही है। एक बच्चा पूजा के लिए जाती हुई महिला से भिक्षा माँग रहा है उसके एक हाथ में पात्र है और उसने दूसरा हाथ भिक्षा के लिए फैला रखा है। सीढ़ियों के पास एक बच्चा बैठा है, जो कि अपाहिज है। वह मंदिर में आने वाले भक्तों से दया की भीख चाहता है।

3.

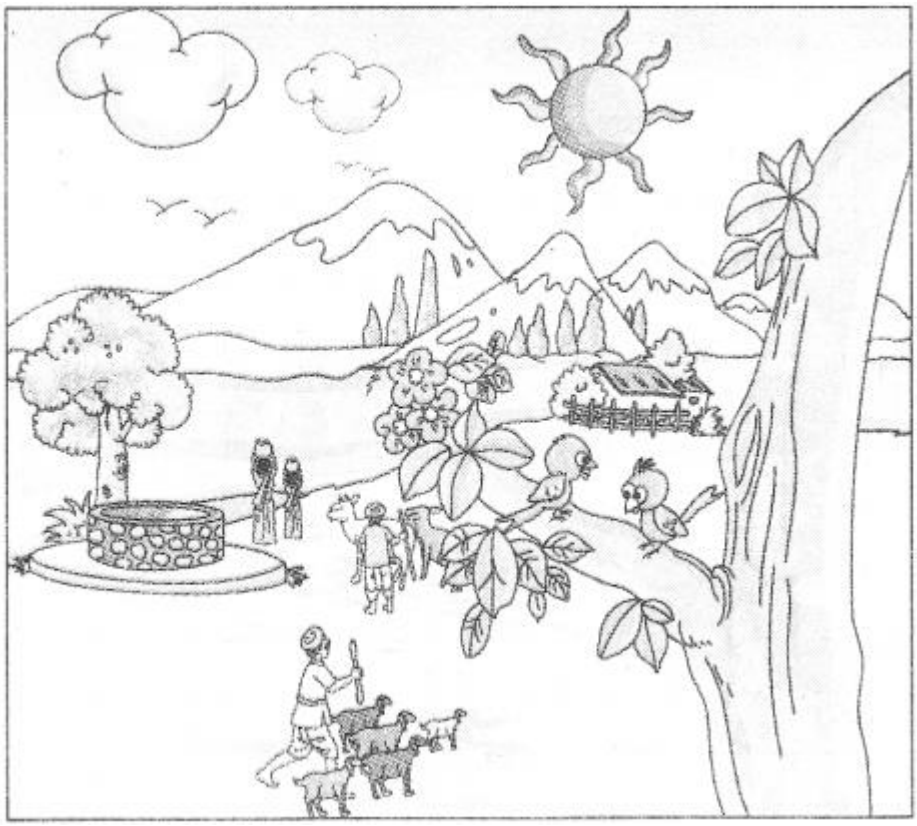

यह दृश्य प्रात:काल सूर्योदय का है। आसमान का रंग सूर्य की लालिमा लिए हुए एक अनूठी छटा बिखेर रहा है। कुछ पक्षी उड़ रहे हैं कुछ पेड़ की डाल पर बैठे उड़ने की तैयारी में हैं। दो घर दिखाई दे रहे हैं जिनके बाहर सुन्दर फूलों के पौधे हैं। सामने कुआँ है उसके पास एक बड़ा वृक्ष है। दो स्त्रियाँ सिर पर घड़े रखकर कुएँ से पानी लेने जा रही हैं। चरवाहा भेड़ों को चराने के लिए ले जा रहा है। पूरा दृश्य मनमोहक छटा बिखेर रहा है। प्रात:काल का समय सबसे उत्तम समय माना जाता है। इस समय भ्रमण करने से मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

---